RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 29 मई 2024 वर्ष 06 अंक 41 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
# रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

पिंपरी चिंचवड़ में आतंकवाद निरोधी दस्ते की बड़ी कार्रवाई,

Page - 2

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

## बीड वायरल वीडियो तनाव :
## फडणवीस और अजित पवार ने की शांति की अपील

**बीड :** महाराष्ट्र के बीड जिले में दो जातीय गुटों के बीच तनाव के मामले में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम अजित पवार ने स्थानीय लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। एक विशेष समुदाय के खिलाफ कथित तौर पर टिप्पणी वाला एक वीडियो वायरल होने के बाद दो गुटों के बीच तनाव बढ़ गया है। दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने शांति बनाए रखने और ऐसी टिप्पणियों से बचने की अपील की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह वीडियो क्लिप सोशल मीडिय पर मराठा और वंजारी समुदायों के बीच तनाव की पृष्ठभूमि में रविवार को वायरल हुई थी। इसमें कुछ ग्रामीणों को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि मराठा समुदाय के किसी भी 'महाराज' (धार्मिक उपदेशक) को गांव में आमंत्रित नहीं किया जाना चाहिए।

## नागपुर में पूर्व सैनिक की हत्या के आरोप में पिता-पुत्र गिरफ्तार

नागपुर पुलिस ने भारतीय वायुसेना के पूर्व सैनिक हरीश दिवाकर कराडे (60) की कथित तौर पर हत्या के आरोप में सोमवार को वकील अश्विन मधुकर वासनिक (56) और उसके बेटे अविष्कार अश्विन वासनिक (23) को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार रात हरीश नागपुर की हुडको कॉलोनी स्थित वकील के घर गया था। जहां पर उसकी वकील और उसके बेटे से बहस हो गई। इस दौरान पिता-पुत्र ने हरीश पर कुल्हाड़ी, पाइप और चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने हरीश की पत्नी की शिकायत पर पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर लिया।

# उद्घाटन के 2 महीने बाद ही मुंबई कोस्टल रोड टनल में रिसाव
## अब एक्शन मोड में सीएम शिंदे

**मुंबई :** मुंबईकरों का सफर सुपरफास्ट करने वाला कोस्टल रोड चर्चा में आ गया है। उद्घाटन के महज 2 महीने बाद मुंबई की समुद्र के नीचे कोस्टल रोड टनल में रिसाव होने की बात सामने आई है। बारिश के पहले ही कोस्टल रोड लीकेज होने का मामला सामने आने के बाद अब प्रदेश के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी एक्शन मोड में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी और पुलिस के साथ मुंबई कोस्टल रोड का जायजा लिया।

सीएम शिंदे ने कहा, ''जहां पर लीकेज है उस जगह इंजेक्शन के जरिए ये लीकेज बंद किया जाएगा.'' इसके साथ ही कई जगह ज्वाइंट के प्वाइंट पर लीकेज है वह जल्द से जल्द भरने के आदेश सीएम ने दे दिए है. मार्च महीने में मुंबई में कोस्टल रोड की एक लेन को आम जनता के लिए खोल दिया गया था.

### मुंबई कोस्टल रोड टनल में रिसाव

कोस्टल रोड के खुलने के दो महीने बाद, पानी का रिसाव देखा गया है. दीवारों और छत से पानी रिस रहा है. विशेष रूप से प्रिंसेस स्ट्रीट फ्लाईओवर के पास यह लीकेज है. दीवारों के दोनों तरफ रिसाव दिखाई दे रहा है. ऊपर की स्लैब भी गीली दिखाई दे रही है. लगातार पानी के रिसाव से दीवारों पर लगा पेंट उखड़ गया है.

### सीएम एकनाथ शिंदे की बैठक

**वारिश के पहले महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे मीटिंग के ऊपर कई मीटिंग ले रहे हैं. सीएम शिंदे खुद मुंबई के कई इलाकों में जाकर नाले की सफाई का भी जायजा ले रहे हैं. लगातार बारिश होने की वजह से मुंबई की यातायात व्यवस्था पर गहरा असर पड़ता है. इस वजह से मुंबईकरों की जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है. सड़कों पर पानी भरने से मुंबई की जनता को बस और ट्रेन यातायात पर असर का सामना करना पड़ता है. मुंबईकरों को सफर करने में कोई दिक्कत न हो इसलिए सीएम ने सभी संबंधित विभागों की बैठक बुलाई और सभी को जरुरी दिशा निर्देश दिए गये है.**

## कोयला घोटाला में महाराष्ट्र की कंपनी, दो निदेशक दोषी करार

**मुंबई:** दिल्ली की अदालत ने महाराष्ट्र की एक कंपनी और इसके दो निदेशकों को कोयला ब्लॉक आवंटन में अनियमितताओं से जुड़े एक मामले में धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश का दोषी करार दिया। कथित कोयला घोटाले से जुड़ा यह 16वां मामला है, जिसमें अदालत ने अपना फैसला सुनाया। अदालत मंगलवार को सजा पर दलीलें सुन सकती है। विशेष न्यायाधीश जस्टिस संजय बंसल ने आरोपियों बीएस इस्पात लि., मोहन अग्रवाल और राकेश अग्रवाल को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि अभियोजन पक्ष ने मामले को किसी भी संदेह से परे साबित कर दिया है। यह मामला कंपनी के पक्ष में महाराष्ट्र में स्थित 'मार्की मंगली-एक' कोयला ब्लॉक के आवंटन में अनियमितता से संबंधित है।

## अरनाला में रेत ढोने वाली नाव पलटी, एक मजदूर लापता

**वसई:** विरार के पास अनार्ला समुद्र में अवैध रेत उत्खनन की घटना हुई है. घटना रविवार शाम की है. 12 मजदूरों में से एक अभी भी लापता है. हेलीकॉप्टर की मदद से उसकी तलाश की जा रही है. अनार्ला और अनार्ला किला विरार के पश्चिमी भाग में स्थित हैं। हालांकि इस इलाके में बालू खनन पर प्रतिबंध है, लेकिन चोरी-छिपे बालू खनन जारी है. नाव रेत उठाने के लिए अनार्ला किले की ओर जा रही थी। इसमें 12 मजदूर सवार थे. लेकिन आधे रास्ते जाने के बाद नाव अचानक पलट गई. 11 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया. लेकिन एक मजदूर लापता है. अनार्ला पुलिस के जरिए उसकी तलाश जारी है. हालांकि अभी तक उसका पता नहीं चलने पर हेलीकॉप्टर की मदद से उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

# मुंबई/ साढ़े चार लाख रुपये में बच्चे की बिक्री, छह लोग गिरफ्तार

**मुंबई:** डेढ़ साल के बच्चे को साढ़े चार लाख रुपये में बेचने के आरोप में पुलिस ने दो तीसरे पक्षों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों में बच्चे के माता-पिता भी शामिल हैं. इस संबंध में डीएन नगर थाने में मामला दर्ज कराया गया है. इस मामले में पुलिस ने खुद शिकायत दर्ज की है और उनकी शिकायत के आधार पर छह लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 370, 34 के साथ किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम की धारा 80 और 81 के तहत मामला दर्ज किया गया है. डीएन नगर पुलिस स्टेशन. इस मामले में पुलिस सब-इंस्पेक्टर सीमा खान (32) शिकायतकर्ता हैं। शिकायत के मुताबिक, एक साल सात महीने के बच्चे हुसैन शेख को बेच दिया गया था. बच्चे की मां नाजमीन शेख और पिता मोहम्मद शेख मलाड मालवणी पेरिसिटल अब्दुल हमीद रोड इलाके में रहते हैं। दंपत्ति ने खुद ही अपना बच्चा बेच दिया। इसके लिए अंधेरी वेस्ट इंदिरा नगर की रहने वाली तीसरे पक्ष की सायबा अंसारी, उसी इलाके में रहने वाली राबिया अंसारी और सकीना बानू शेख की मध्यस्थता से बच्चे को बेचा गया।

सकीना शेख इस जोड़े की परिचित हैं. साइबा अंसारी के परिचय के जरिए बच्चे को ठाणे के इंद्रदीप उर्फ इंदर व्हाटवार (43) को बेच दिया गया था। व्हाटवार एक अच्छे परिवार से है और समलैंगिक है। वह एक बेटा गोद लेना चाहते थे. बच्चे को इलाज खर्च समेत 4 लाख 65 हजार रुपये में बेचा गया. बच्चे को आरोपियों के चंगुल से छुड़ा लिया गया और फिलहाल उसे अंधेरी वेस्ट के सेंट कैफरिन सिक्योरिटी होम में रखा गया है। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है.

### अपहरण की धोखाधड़ी के कारण बिंग फला-फूला...

जब बच्चे की मां घर आई तो बच्चा नजर नहीं आया। आखिरकार जब उसने अपने भाई से पूछा तो उसने झूठी सूचना दी कि एक व्यापारी ने उसका अपहरण कर लिया है. इसके बाद लड़के की मां तुरंत भाई और उसकी पत्नी को लेकर मालवणी पुलिस स्टेशन पहुंची. उस वक्त उन्होंने ये कहकर वक्त काटा कि वो उन्हें एक विज्ञापन की शूटिंग के लिए ले गए थे. लेकिन सारा पैटर्न उजागर हो गया क्योंकि उन्होंने जो कहानी बनाई उसमें कई गलतियाँ सामने आईं। माता-पिता द्वारा बच्चों को बेचे जाने का यह पहला मामला नहीं है.

# धारावी में तीन मंजिला इमारत में लगी आग, छह घायल

**मुंबई:** धारावी में 90 फीट रोड पर अशोक मिल कंपाउंड के पास एक तीन मंजिला इमारत में मंगलवार सुबह करीब 4 बजे आग लग गई. इस हादसे में कुल छह लोग घायल हुए हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. हादसे की खबर सुनते ही दमकल कर्मी, 108 एंबुलेंस, पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। बिजली के तारों के संपर्क में आने से आग लग गई। इस आग में इमारत का लकड़ी का फर्नीचर पूरी तरह जल गया. साथ ही अन्य सामान को भी भारी क्षति पहुंची.

आग की तीव्रता बढ़ती देख फायर ब्रिगेड ने सुबह 4:40 बजे नंबर दो की वर्दी देकर आग पर काबू पाया। इस बीच कड़ी मशक्कत के बाद हादसे में फंसे निवासियों को बाहर निकाला गया. सलमान खान (26), मनोज (26), अमजद (22), सल्लाउद्दीन (28), सईदुल रहमान (26), रफीक अहमद (26) और छह अन्य घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए तुरंत नजदीकी शिव अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल सभी मरीज स्थिर हैं और उनका इलाज चल रहा है। अपने प्रयासों के अंत में, दमकलकर्मी सुबह 7:40 बजे आग पर काबू पाने में सफल रहे।

## संपादकीय...

### बारिश में कृषि उपज की बरबादी न हो

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने फिर यह बात कही है कि इस साल देश में मॉनसून की बारिश सामान्य से ज्यादा होगी। वर्षा सिंचित क्षेत्रों में भी इस साल अच्छी बारिश होने की उम्मीद है जो कृषि पैदावार बढ़ाने में मददगार साबित होगी। ऊंचे उत्पादन से स्वाभाविक रूप से खाद्य महंगाई पर काबू पाने में मदद मिलेगी। यह गौर करना अहम होगा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुख्य मुद्रास्फीति दर 4 फीसदी से नीचे बनी हुई है, लेकिन खाद्य पदार्थों की ऊंची महंगाई ने समग्र मुद्रास्फीति दर को रिजर्व बैंक के लक्ष्य से ऊपर रखा है। उदाहरण के लिए अप्रैल में खाद्य मुद्रास्फीति दर 8.7 फीसदी थी। महंगाई के प्रबंधन के लिहाज से देखें, जब खाद्य उत्पादन में सुधार से कीमतों और महंगाई पर अंकुश बने रहने की संभावना है, भारत को जल्द खराब होने वाले उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला बेहतर करने पर भी काम करना चाहिए जिनकी महंगाई के उतार-चढ़ाव में ज्यादा भूमिका होती है। उदाहरण के लिए कुछ महीने पहले सब्जियों की कीमतों ने समग्र मुद्रास्फीति दर को बढ़ा दिया था।

यह इस तथ्य के बावजूद है कि भारत दुनिया में सब्जियों और फलों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। यहां साल 2022-23 में बागवानी उत्पादों की पैदावार करीब 35.19 करोड़ टन रही और उसी वर्ष में उन्होंने कुल अनाज उत्पादन को पीछे छोड़ दिया। लेकिन सच यह भी है कि इनमें से टनों उत्पाद बरबाद हो गए। करीब 15 फीसदी फल और सब्जियां उपज हासिल करने के बाद ही बरबाद हो जाती हैं। जलवायु परिवर्तन की वजह से पड़ने वाली अतिशय गर्मी से आने वाले वर्षों में हालत और बदतर हो सकती है। बुनियादी ढांचे में सुधार से इस बरबादी को कम करने में मदद मिल सकती है। देश में शीत भंडार गृह और प्रशीतन सुविधाएं अपर्याप्त हैं जो पूरे आपूर्ति श्रृंखला के लिए अड़चन है। तापमान नियंत्रित आपूर्ति श्रृंखला से खराब हो सकने वाली सामग्री को संरक्षित करने में काफी मदद मिलती है और इससे यह सुनिश्चित होता है कि उपभोक्ताओं तक खाद्य पदार्थ अधिक से अधिक सही स्थिति में पहुंच सकें। ध्यान देने की बात यह भी है कि देश में करीब 3.9 करोड़ टन की मौजूदा शीत भंडार गृह क्षमता के एक बड़े हिस्से का इस्तेमाल ही नहीं हो पाता है।

यही नहीं, अभी जो शीत भंडार गृह इकाइयां हैं उनका भौगोलिक इलाकों के हिसाब से वितरण भी असमान है। उदाहरण के लिए ज्यादातरण शीत भंडार गृह सुविधाएं उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात, पंजाब और आंध्र प्रदेश में केंद्रित हैं, जबकि बिहार और मध्य प्रदेश में ऐसी सुविधाएं अपर्याप्त हैं। ज्यादातर शीत भंडार गृह केंद्रों का डिजाइन इस तरह का है कि वे एक समय में एक ही जिंस का संग्रहण कर पाते हैं। इसलिए देश में मल्टी-स्टोरेज शीत भंडार गृह क्षमता को बढ़ाने की जरूरत है। भारत के ज्यादातर किसान गरीब और छोटे, बिखरे जोत वाले हैं तथा खेती से उनकी कमाई बहुत कम होती है, इसलिए यह संभव नहीं है कि विकेंद्रित तरीके से भंडारण ढांचे में निवेश किया जा सके। देश की करीब 92 फीसदी शीत भंडार गृह इकाइयों का संचालन और स्वामित्व निजी क्षेत्र में है, इसलिए भंडारण ढांचे में कमी की समस्या के समाधान के लिए सरकार के दखल की गुंजाइश है। वैसे तो ऐसे भंडारण केंद्रों, पैक हाउस सहित, की स्थापना के लिए सरकार 35 से 50 फीसदी तक सब्सिडी देती है, फिर भी इनकी लागत काफी ज्यादा होती है। खेतों और थोक बाजारों या मंडियों के बीच काफी दूरी और खराब सड़कों जैसी अन्य समस्याएं भी आपूर्ति श्रृंखला में अवरोध को बढ़ा देती हैं जिससे ढुलाई के दौरान ही कुछ पैदावार खराब हो जाती है।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 99877 75650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

# विधान परिषद की 6 सीटों पर चुनाव... स्थानीय स्वशासन निकायों पर प्रशासक शासन का प्रभाव

**मुंबई:** राज्य में स्थानीय स्वशासन चुनाव रुकने के कारण नगरसेवकों और जिला परिषद सदस्यों के बीच से चुनी जाने वाली विधान परिषद की 6 सीटों के लिए चुनाव एक दुविधा बन गया है। इन छह सीटों में से एक सीट 31 मई को खाली हो रही है, जबकि बाकी 5 विधायकों का कार्यकाल 21 जून को खत्म हो रहा है. स्थानीय निकायों से विधान परिषद की 9 सीटों पर चुनाव दो साल से लंबित है। राज्यपाल मनोनीत सीटों का मामला अभी भी नहीं सुलझा, वो 12 सीटें अभी भी खाली हैं. इसलिए जून के बाद विधान परिषद में 78 सदस्यों की संख्या घटकर 51 रह जाएगी.

विधान परिषद में कुल सदस्यों की संख्या 78 है। इसमें विधान सभा के सदस्यों में से चुने जाने वाले 30 सदस्य होते हैं। 22 सदस्य स्थानीय प्राधिकरण निकायों से चुने जाते हैं। 7 सदस्य स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों से और 7 सदस्य शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से चुने जाते हैं। जबकि 12 सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है.

स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्रों में, मतदाता नगर निगम, नगर पालिका और जिला परिषद के सदस्य होते हैं। चुनाव कराकर विधान परिषद के लिए सदस्य चुने जाते हैं। राज्य में ओबीसी के राजनीतिक आरक्षण और नगर पालिकाओं, नगर निगमों और जिला परिषदों के सदस्यों की संख्या में बदलाव को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई हैं. इसलिए 2022 से ग्राम पंचायतों को छोड़कर नगर निगम, नगर पालिकाओं, जिला परिषदों और पंचायत समितियों के चुनाव रुक गए हैं. परिणामस्वरूप, जून और दिसंबर 2022 के बीच समाप्त हो चुकी स्थानीय प्राधिकरण निकायों से विधान परिषद के लिए चुनी जाने वाली 9 सीटों के लिए कोई चुनाव नहीं हुआ। इसमें सोलापुर, अहमदनगर, ठाणे, पुणे, सांगली-सतारा, नांदेड़, यवतमाल, जलगांव और भंडारा-गोंदिया स्थानीय प्राधिकरण शामिल हैं।

वर्तमान में राज्य के सभी नगर निगमों में एक प्रशासक है। जिला परिषदों और नगर पालिकाओं के लिए कोई चुनाव नहीं होते हैं। इसलिए मई से जून के बीच खाली होने वाली विधान परिषद की छह सीटों पर चुनाव को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है. स्थानीय निकायों के जरिए विधान परिषद की चुनी जाने वाली कुल 22 सीटों में से 15 सीटें खाली रहेंगी. राज्यपाल द्वारा नियुक्त 12 सीटों को लेकर पांच साल से असमंजस की स्थिति बनी हुई है. ये सीटें अभी भी खाली हैं. जून के बाद 27 सीटें खाली रह जाएंगी।

# शक के चलते कोच ने ही की कबड्डी खिलाड़ी की हत्या!

**ठाणे:** कोलशेट में एक 17 वर्षीय कबड्डी खिलाड़ी की उसके कोच द्वारा गला घोंटने और गर्दन पर कैंची से वार करने की चौंकाने वाली घटना सामने आई है. इस मामले में सोमवार को कपुरबाडी पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है और इसका नाम है कबड्डी कोच गणेश गंभीर राव (23) जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. गणेश का एक लड़की से अफेयर था. जांच से पता चला कि उसने उसकी हत्या कर दी क्योंकि उसे शक था कि वह किसी और से बात कर रही थी।

17 साल की एक लड़की अपनी मां और भाई के साथ कोलशेट की एक चाली में किराए के मकान में रहती थी। 24 मई को उसके घर से अचानक दुर्गंध आई। इसलिए मोहल्लेवासियों ने इसकी सूचना मकान मालिक को दी। जब घर के मालिक ने दरवाजा खोला तो घर के अंदर 17 साल की लड़की का शव मिला. उसकी मां और भाई घर में नहीं थे. घटना की जानकारी कपूरबावड़ी पुलिस को मिलने के बाद इस मामले में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया. उनके शव को मुंबई के जे.जे. भेज दिया गया। अस्पताल ले जाया गया. 25 मई की शाम को पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई। इसमें कहा गया कि उसकी मौत गला घोंटने और गर्दन पर चोट लगने के कारण हुई। घटना की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए कपूरबावड़ी पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है. उसकी मां, भाई और अन्य रिश्तेदारों से पूछताछ की। उसी दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि उसकी पहचान कबड्डी कोच गणेश गंभीरराव से थी. इसके बाद पुलिस ने गणेश को नवी मुंबई के घनसोली से गिरफ्तार कर लिया. जब उससे पूछताछ की गई तो उसने संदेह के चलते उसकी हत्या करने की बात कबूल कर ली। इस मामले में पुलिस ने सोमवार को उसे गिरफ्तार कर लिया.

मृतक लड़की को कबड्डी खेलने का शौक था. उन्होंने गणेश के अधीन प्रशिक्षण शुरू किया। ये थी उनकी दोस्ती. गणेश उससे प्रेम करते थे। 23 मई को सुबह करीब 11 बजे जब किशोरी घर में अकेली थी, तभी गणेश उसके घर आया. गणेश को शक था कि वह मोबाइल फोन पर किसी और से बात कर रही है. इसी वजह से दोनों के बीच विवाद हो गया. इसी बहस के दौरान उसने रस्सी से उसका गला घोंट दिया। फिर उसकी गर्दन के चारों ओर कैंची से काट दिया गया। हत्या के बाद गणेश बाहर से दरवाजा खींचकर भाग निकला। अगले दिन पता चला कि घर से आ रही दुर्गंध के कारण उसकी मौत हो गयी.

# पिंपरी चिंचवड़ में आतंकवाद निरोधी दस्ते की बड़ी कार्रवाई,

## 5 बांग्लादेशी गिरफ्तार

पिंपरी चिंचवड़ आतंकवाद निरोधी दस्ते ने फर्जी दस्तावेजों के साथ 5 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। आतंकवाद निरोधी दस्ते ने फर्जी दस्तावेजों के साथ भारत में अवैध रूप से रह रहे 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई भोसरी इलाके के शांतिनगर इलाके में की गई है. इस मामले में पुलिस ने पांच बांग्लादेशी नागरिकों शमीम नुरोल राणा, राज उर्फ सम्राट सदन अधिकारी, जलील नारू शेख उर्फ जलील नूर मोहम्मद गोलदार, वसीम अजीज उलहक मंडल उर्फ वसीम अजीउल हक हीरा, आजाद शमशुल शेख उर्फ अबुल कलाम शमशुद्दीन फकीर को गिरफ्तार किया है. उनके लिए फर्जी दस्तावेज बनाने वाले दो अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

आरोपी बांग्लादेशी नागरिक है और उसके पास कोई लाइसेंस या वैध दस्तावेज नहीं है. फिर भी वह पिंपरी चिंचवड़ में रहते थे। ये फर्जी आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र और स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, पासपोर्ट बनवाकर भारत में अवैध रूप से रह रहे थे। जैसे ही इसकी सूचना आतंकवाद निरोधी दस्ते को मिली, उन्होंने छापेमारी कर पांचों नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया.

**आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है**

पुलिस ने आरोपियों के पास से

सिम कार्ड, 11 हजार रुपये कीमत का मोबाइल, एयरटेल कंपनी का सिम आदि बरामद किया है. उनके खिलाफ विदेशी नागरिक अधिनियम, पासपोर्ट अधिनियम और भारत में प्रवेश नियमों के तहत मामला दर्ज किया गया है। पिंपरी चिंचवड़ में रहने वाले इन बांग्लादेशी नागरिकों का असली मकसद क्या था, इनके कोई बुरे इरादे तो नहीं थे? इस संबंध में भी जांच कराई जाएगी। इस बीच पुणे में बड़े हमले की साजिश रच रहे आतंकियों को पुलिस ने नाकाम करने में कामयाबी हासिल की है. पुणे पुलिस ने पिछले साल दो आतंकियों को गिरफ्तार किया था. पुणे पुलिस मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले की जांच कर रही थी. उस वक्त जब इमरान खान और मोहम्मद यूनुस साकी दोनों से पूछताछ की गई तो वे डरे हुए थे. इससे पुलिस को शक हुआ. जब उसके घर की तलाशी ली गई तो आपत्तिजनक सामग्रियां मिलीं.

## घाटकोपर होर्डिंग मामले में एसआईटी ने जीआरपी एसीपी को पूछताछ के लिए बुलाया

**मुंबई :** घाटकोपर होर्डिंग मामले में क्राइम ब्रांच की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने मुंबई जीआरपी के एसीपी शाहजी निकम को मंगलवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। क्राइम ब्रांच ईजीओ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को दिए गए होर्डिंग कॉन्ट्रैक्ट के बारे में जानकारी हासिल करना चाहती है। बता दें कि तेज हवा और बारिश के चलते घाटकोपर में एक पेट्रोल पंप के ऊपर 13 मई को बड़ा होर्डिंग गिर गया था, जिसके नीचे दबने से 17 लोगों की मौत हो गई थी।

### विधान परिषद का चुनाव :

# महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से अपना उम्मीदवार घोषित किया

**महाराष्ट्र :** फिल्म निर्देशक अभिजीत पानसे विधान परिषद का चुनाव लड़ने जा रहे हैं. राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने उन्हें कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से अपना उम्मीदवार घोषित किया. महाराष्ट्र विधान परिषद का चुनाव 26 जून को कराया जाएगा. इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व बीजेपी के निरंजन डावखरे कर रहे हैं. पार्टी महासचिव शिरीष सावंत ने कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र पर होने जा रहे एमएलसी चुनाव के लिए पार्टी सदस्य अभिजीत पानसे

की उम्मीदवारी की घोषणा की. मुंबई स्नातक, कोंकण स्नातक, मुंबई शिक्षक और नासिक शिक्षक पर चुनाव जरूरी हो गया है क्योंकि मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल जुलाई में समाप्त हो रहा है.

### पूर्व मंत्री को उद्धव ने बनाया प्रत्याशी

उद्धव ठाकरे की पार्टी शिवसेना-यूबीटी ने शनिवार को एमएलसी अनिल परब और पार्टी पदाधिकारी जेएम अभ्यंकर को क्रमशः मुंबई स्नातक और मुंबई शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अपना प्रत्याशी घोषित किया. अनिल परब, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार में परिवहन राज्य मंत्री थे. मुंबई शिक्षक, मुंबई स्नातक और नासिक शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व वर्तमान में जेडीयू के कपिल पाटिल, शिवसेना-यूबीटी के विलास पोटनिस और निर्दलीय एमएलसी किशोर दराडे कर रहे हैं.

### विधान परिषद में बीजेपी का दबदबा

विधान परिषद की 78 सीटों में से अविभाजित शिवसेना के 11 सदस्य, अविभाजित एनसीपी के 9, कांग्रेस के 8 और बीजेपी के 22 सदस्य हैं. जेडीयू, किसान और वर्कर्स पार्टी, और राष्ट्रीय समाज पक्ष के भी एक-एक पार्षद हैं जबकि चार निर्दलीय हैं. वहीं, 21 सीटें खाली हैं. खाली सीटों में 12 सदस्य राज्यपाल द्वारा नामित किए जाएंगे और नौ स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों के जरिए चुने जाएंगे. यह बता दें कि एनसीपी और शिवसेना के विभाजन के बाद अधिकांश एमएलसी अजित पवार और एकनाथ शिंदे के गुट में चले गए हैं.

बीजेपी ने अभी तक एमएलसी चुनावों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है. चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख जून 7 जून है जबकि मतदान 26 जून को कराया जाएगा जबकि नतीजे 1 जुलाई को घोषित होंगे.

# डोंबिवली में उद्यमियों का गुस्सा भरा सवाल

**डोंबिवली :** डोंबिवली एमआईडीसी में अमुदान केमिकल कंपनी में विस्फोट हुआ है. मजदूरों की जान गई है. कई लोग घायल हो गए हैं. आसपास की कंपनियाँ दिवालिया हो गई हैं। इससे सभी उद्यमी त्रस्त हैं। अब सभी व्यवसायी विस्फोट के बाद सारी स्थिति को व्यवस्थित करने का प्रयास कर रहे हैं. इस चिंताजनक माहौल में, डोंबिवली एमआईडीसी के अधिकारियों ने डोंबिवली एमआईडीसी के सभी उद्यमियों को सोमवार शाम को कंपनी प्रवासन सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करने और इसे तुरंत एमआईडीसी कार्यालय में जमा करने का आदेश दिया है। डोंबिवली में इस प्रकार के व्यवसायियों को देखकर, क्या हम कल्हाईवाले हैं? ये गुस्सा भरा सवाल है.क्षेत्र में अमुदान कंपनी और रासायनिक कंपनियों में बचाव अभियान चल रहा है। अग्निशमन और आपातकालीन विभाग के

कर्मचारी वहा काम कर रहे हैं। उन्हें उद्यमी के निर्देशानुसार बचाव कार्य करना होगा। जांच अधिकारी उद्यमियों को बुलाकर कुछ जरूरी जानकारी ले रहे हैं। यह सब चल रहा था, डोंबिवली एमआईडीसी के अधिकारियों ने उद्यमियों को चोर समझकर, यह सोचकर कि वे कल को कंपनी छोड़कर भाग जाएंगे, उद्यमियों को एमआईडीसी के शीर्षक के बिना, किसी भी जिम्मेदार के हस्ताक्षर के बिना सहमति पत्र दे दिया। अधिकारी, और तुरंत इस पर हस्ताक्षर करके पत्र को एमआईडीसी डोंबिवली कार्यालय में जमा करने का आदेश दिया गया है।

# केमिकल फैक्टरी धमाका: श्रम मंत्री बोले- समुचित मुआवजे के लिए संघर्ष करेंगे...

**डोंबिवली :** केमिकल फैक्टरी धमाका कई परिवारों को कभी न भूलने वाला दर्द दे गया है। सरकार ने मुआवजा देने की घोषणा की है। इस मामले से जुड़े ताजा घटनाक्रम में श्रम मंत्री सुरेश खाड़े ने कहा है कि वे पीड़ित परिवारों को समुचित मुआवजा दिलाने के लिए संघर्ष करेंगे।

खाडे ने कहा कि राज्य श्रम विभाग कानूनी उपाय के माध्यम से पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए मुआवजे की राशि बढ़ाने का प्रयास करेगा। उन्होंने कहा कि लापता श्रमिकों का पता लगाने के प्रयास जारी हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने धमाके में मारे गए लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये देने का एलान किया है। उन्होंने आश्वस्त किया है कि घायलों का खर्च सरकार वहन करेगी।

# चुनाव नतीजों के पहले शरद पवार को झटका, धीरज शर्मा ने बदला पाला

**मुंबई:** महाराष्ट्र में लोकसभा चुनावों की वोटिंग खत्म होने और नतीजों के पहले शरद पवार की अगुवाई वाली एनसीपी को बड़ा झटका लगा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के नेतृत्व वाले एनसीपी (एसपी) की युवा विंग के अध्यक्ष धीरज शर्मा ने अजित पवार की स्थिति में असली एनसीपी की सदस्यता ग्रहण की है। शर्मा ने डिप्टी सीएम अजीत पवार, राज्यसभा सांसद प्रफुल्ल पटेल और अन्य नेताओं की उपस्थिति में सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर अजित पवार गुट के तमाम बड़े चेहरे भी मौजूद रहे। फरवरी महीने में जब शरद पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की लड़ाई हार गए थे। तब धीरज शर्मा

की अगुवाई वाली युवा विंग ने सदैव साथ रहने का संकल्प लिया था।

**नतीजों से पहले छोड़ा साथ**

महाराष्ट्र के लिए लोकसभा चुनाव के नतीजों को काफी अहम माना जा रहा है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि शिवसेना और एनसीपी के जिस धड़े का पलड़ा भारी रहेगा। नतीजों के बाद उस तरफ पार्टी नेता शिफ्ट हो सकते हैं। ऐसे में अब जब चार जून का इंतजार कुछ ही दिनों का रह गया है। तब धीरज शर्मा के एकाएक पार्टी छोड़ने पर एनसीपी की राजनीति गरमा गई है। धीरज शर्मा हरियाणा की रहने वाली सोनिया दुहन के साथ पार्टी की युवा विंग के प्रमुख चेहरा थे। धीरज शर्मा ने पार्टी छोड़ने से पहले फेसबुक पर लिखा कि मैं धीरज शर्मा हूं, मैं राष्ट्रवादी शरद चंद्र पवार पार्टी द्वारा दिए गए सभी पोस्ट से खुद को मुक्त कर रहा हूं। साल 2019 में जब अजित पवार सुबह-सुबह महाराष्ट्र में शपथ ग्रहण की थी और कुछ एनसीपी विधायक हरियाणा के गुरुग्राम पहुंचे थे। तब उन विधायकों को वापस लाने के ऑपरेशन में धीरज शर्मा ने सुर्खियां बटोरी थीं।त

## सड़क हादसे में तीन की मौत, 11 घायल

**पालघर :** महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक टेम्पो और मैक्सी कैब की टक्कर हुई। इस भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना में 11 अन्य घायल हुए हैं। पांच लोगों की हालत गंभीर है। हादसा, जव्हार-नासिक मार्ग पर वलवंडा गांव में हुई। तीनों मृतक नासिक जिले के डिंडोरी से पालघर के विरार स्थित जीवदानी मंदिर जा रहे थे। हादसे में गंभीर रूप से घायल लोगों को नासिक सिविल अस्पताल ले जाया गया।

# मालेगांव पूर्व मेयर फायरिंग मामला... दोनों तरफ से चलीं 6 राउंड गोलियां, फायरिंग की वजह आई सामने

**मालेगांव :** शहर में आधी रात को फायरिंग हुई. पूर्व मेयर अब्दुल मलिक ईसा को दो अज्ञात लोगों ने तीन गोलियां मारीं। इस घटना के 24 घंटे बाद फायरिंग की वजह सामने आई है. पुलिस ने इस मामले में दोपहिया वाहन गावथी कट्टुया के साथ दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक अनिकेत भारती ने बताया कि इस मामले में दोनों ओर से गोलीबारी हुई है. उधर, पूर्व मेयर अब्दुल मलिक की हालत अभी भी गंभीर बनी हुई है। नासिक के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। मलिक रविवार रात 12 से 1 बजे के बीच एक होटल में चाय पीने के लिए रुके थे। तभी अज्ञात हमलावरों ने उन पर हमला कर दिया. उन पर तीन गोलियां चलाई गईं. बाद में उन्हें गंभीर हालत में

नासिक के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस मामले के बाद आरोपियों की तलाश के लिए टीमें गठित की गईं. मौके पर जांच भी शुरू कर दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक अनिकेत भारती ने उस जांच की जानकारी मीडिया को दी. तदनुसार, इस मामले में मालेगांव शहर पुलिस स्टेशन में दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। यह भी कहा जा रहा है कि मौके पर दोनों तरफ से फायरिंग भी हुई. मीडिया से बात करते हुए भारती ने कहा कि दोनों तरफ से 6 राउंड गोलियां चलीं.

**गोलीबारी क्यों हुई?**

पूर्व मेयर अब्दुल मलिक ईसा पर हमला शुरू में राजनीतिक दुश्मनी के कारण होने का संदेह था। लेकिन पुलिस जांच में कुछ और ही जानकारी सामने आई। अपर पुलिस अधीक्षक अनिकेत भारती ने बताया कि जमीन खरीद-बिक्री मामले और दुश्मनी को लेकर हमला हुआ है. पुलिस ने हमले में इस्तेमाल बाइक जब्त कर ली है. साथ ही गावथी कट्टुया समेत दो संदिग्धों को पुलिस ने हिरासत में लिया है. उनसे गहन पूछताछ की जा रही है.

# कैफे मैसूर के मालिक से 72 लाख की रंगदारी...

**मुंबई:** कैफे मैसूर के मालिक से कथित तौर पर रुपये लूटने के आरोप में जल्द ही महाराष्ट्र संगठित अपराध रोकथाम अधिनियम (एमओसीए) के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। इस मामले में शिव पुलिस ने आठ जनों को गिरफ्तार किया है। छह आरोपी शिकायतकर्ता व्यवसायी नरेश नायक के घर गए और आरोप लगाया कि उन्होंने चुनाव के लिए काला धन रखा था और 72 लाख रुपये की रंगदारी वसूली थी. इस मामले में कारोबारी की ओर से दी गई शिकायत के मुताबिक शिव थाने में आईपीसी की धारा 170, 420, 452, 506, 34 के तहत मामला दर्ज किया गया है. पुलिस अधिकारी बाबासाहेब भागवत (50) और सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी दिनकर साल्वे (60) को अपराध के उसी दिन गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद इस मामले में सागर रेडेकर (42), वसंत नाइक (52), श्याम गायकवाड़ (52) और नीरज खंडागले (35) को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान दो और नामों का खुलासा होने के बाद पुलिस ने दो आरोपियों हिरेन वाघेला को नालासोपारा से और अजीत अपराज को गोरेगांव से गिरफ्तार किया. अब इस मामले में जल्द ही मोक्का के तहत मुकदमा दर्ज किया जाएगा.

# शीना बोरा केस की तरह ये भी हाई प्रोफाइल मर्डर केस

## माहवारी के खून के धब्बे से पता चला आरोपी...

**मुंबई :** मुंबई के बहुचर्चित कीर्ति व्यास हत्याकांड में सेशन कोर्ट ने दो आरोपियों सिद्धेश ताम्हणकर और कविता सजलानी (बदला हुआ नाम-कोर्ट के आदेश के मुताबिक) को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है. छह साल पुराने हत्याकांड की जांच कर रही पुलिस को अभी तक कीर्ति का शव या अवशेष नहीं मिले हैं। हालांकि, अपराध जांच विभाग ने अदालत के सामने कुछ डिजिटल और फोरेंसिक सबूत पेश किए। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को हत्याकांड का दोषी करार देते हुए कहा है कि ये सबूत पर्याप्त हैं. 16 मार्च 2018 को कीर्ति व्यास की हत्या कर दी गई थी. मई 2018 में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. तीन महीने बाद पुलिस ने इस मामले में आरोप पत्र दाखिल किया. कविता सजलानी को 2021 में कोर्ट ने जमानत दे दी थी. लेकिन सिद्धेश ताम्हणकर अभी भी जेल में हैं.

शीना बोरा केस की तरह ये भी हाई प्रोफाइल मर्डर केस था. इसलिए, तत्कालीन मुंबई पुलिस आयुक्त दत्तात्रेय पडसलगीकर, अपराध जांच विभाग के प्रमुख संजय सक्सेना, संयुक्त आयुक्त के. एम। प्रसन्ना लगातार इस मामले पर नजर बनाए हुए थे. मामले की जांच कर रही पुलिस को कविता सजलानी की फोर्ड इकोस्पोर्ट कार में कुछ खून के धब्बे मिले। जब फोरेंसिक ने इसकी जांच की, तो उन्होंने देखा कि ये कीर्ति के खून के धब्बे (मासिक धर्म में रक्तस्राव) थे। इसके बाद पुलिस ने कविता से पूछताछ शुरू की. कविता के भाषण में सिद्धेश ताम्हणकर का जिक्र आया तो पुलिस ने सिद्धेश को हिरासत में ले लिया और पूछताछ शुरू कर दी.

कीर्ति व्यास अंधेरी में बी ब्लंट में वरिष्ठ पद पर कार्यरत थीं। इस कंपनी से एक बॉलीवुड एक्टर जुड़े हुए हैं. कविता सजलानी और सिद्धेश ताम्हणकर एक ही कंपनी में काम करते थे। कविता और सिद्धेश का अफेयर चल रहा था. सिद्धेश ऑफिस में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था। इस तरह केंद्र सरकार ने जीएसटी व्यवस्था लागू की. लेकिन सिद्धेश को इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी. साथ ही उन्हें जीएसटी के बारे में जानने में कोई दिलचस्पी नहीं थी. इसलिए कीर्ति ने सिद्धेश को नोटिस जारी किया। जिस दिन कीर्ति की हत्या हुई, वह सिद्धेश को जारी नोटिस का जवाब देने की समयसीमा का आखिरी दिन था. इसलिए सिद्धेश को अपनी नौकरी खोने का डर था.

16 मार्च को सिद्धेश और कविता डी मुंबई में। बी। मार्ग क्षेत्र में गया था. कीर्ति इसी इलाके में रहती थी. जैसे ही कीर्ति ऑफिस जाने के लिए घर से निकलती है, सिद्धेश और कविता उसे किसी कारण से अपनी कार में बैठाते हैं। कार चलने के बाद उन दोनों ने कीर्ति से सिद्धेश को भेजा गया नोटिस वापस लेने के लिए कहा। कीर्ति के इनकार करने पर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी गई. इसके बाद कीर्ति का शव कार की पिछली सीट पर रख दिया। कविता इस कार को पारल इलाके में ले गई.

# सांगली शहर में मृत महिला का शव लेकर घूमने की सनसनीखेज घटना

**सांगली :** कर्नाटक में गर्भपात कराने गई एक महिला की गर्भपात के दौरान मौत हो गई है. इस घटना के बाद मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए मृत महिला के शव को ले जाने का मामला सामने आया है. यह सब सांगली शहर पुलिस की सतर्कता से सामने आया है. इस मामले में एक डॉक्टर समेत मृत महिला से जुड़े 5 लोगों को हिरासत में लिया गया है.

कोल्हापुर के हातकणंगले की 32 वर्षीय महिला के ससुर और सांगली के मिराज ने गर्भावस्था परीक्षण कराया था। बाद में गर्भवती महिला ने मैहर के लोगों के साथ मिलकर गर्भपात कराने का फैसला किया. वह सीधे कर्नाटक राज्य के बागलकोट के महालिंगपुर स्थित एक अस्पताल पहुंचे। लेकिन गर्भपात के दौरान उक्त महिला की मौत हो गयी. महिला की मौत का कारण बताने के लिए प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। लेकिन संबंधित पक्षों ने इसे देने से इनकार कर दिया. इसलिए परिवार वालों से मृत्यु प्रमाण पत्र लेने के लिए वे महिला के शव को सांगली ले गए और मिराज में तीन घंटे तक शव को लेकर घूमते रहे.

इसी बीच सांगली पुलिस को इसकी जानकारी मिली. पुलिस ने जब कार की जांच की तो मौत की ये सारी बातें सामने आईं. शहर पुलिस उपाधीक्षक अन्नासाहेब जाधव ने जानकारी दी है कि इस मामले में एक डॉक्टर समेत पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है. पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है.

# अवैध होटल, पब, डांस बार के खिलाफ कार्रवाई

## ठाणे पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे ने आदेश दिया...

**कल्याण :** ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में देर रात तक चलने वाले अवैध होटल, पब, डांस बार के खिलाफ तत्काल कार्रवाई शुरू करें. यदि कोई भी पुलिस अधिकारी इस कार्रवाई में ढिलाई बरतता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ठाणे पुलिस आयुक्त डॉ. आशुतोष डुंबरे ने मंगलवार को ठाणे पुलिस आयुक्तालय में सर्कल के पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में लिया।ठाणे में एक रईस के बेटे ने शराब के नशे में गाड़ी चलाते हुए दो कंप्यूटर इंजीनियरों को टक्कर मार दी। इस घटना से राज्य में सनसनी फैल गई है. इस पृष्ठभूमि पर पुलिस आयुक्त दुंबरे ने मंगलवार को ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के कल्याण, भिवंडी, उल्हासनगर सर्कल क्षेत्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की. इस बैठक में मंडल के अंदर यदि देर रात तक अवैध होटल, पब, डांस बार खुले हों तो उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। कमिश्नर डुंबारे ने चेतावनी दी कि इस कार्रवाई में जो भी अधिकारी गलत व्यवहार करेगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

ठाणे पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र के भिवंडी क्षेत्र, कल्याण शिलफाटा, नेवाली, अंबरनाथ, उल्हासनगर क्षेत्र में डांस बार की संख्या अधिक है।

कुछ स्थानों पर पब, अवैध होटल, ढाबे हैं। ढाबों पर चोरी-छिपे शराब बेची जाती है। इन ढाबों को सरकार द्वारा अनुमति नहीं है। नागरिकों की शिकायतें हैं कि डांस बार बंद होने पर देर रात संचालित होते हैं। माना जा रहा है कि इस संबंध में ठाणे पुलिस कमिश्नरेट के पास कई शिकायतें गई हैं। पुलिस मुख्यालय, सर्कल के कुछ पुलिस अधिकारी क्षेत्र में वरिष्ठ नागरिकों के 'कलेक्टर' के रूप में काम करते हैं। पुलिस हलकों में चर्चा है कि वे अधिकारी इन अवैध उद्योगों का समर्थन कर रहे हैं. केवल कुछ पुलिस अधिकारी ही मांग कर रहे हैं कि आयुक्त डुंबारे ऐसे पुराने 'कलेक्टरों' को खोजें और इन अधिकारियों को नगर निगम मुख्यालय या नियंत्रण कक्ष में तैनात करें। ऐसे 'कलेक्टर' अफसरों की सूची ही कुछ पुलिस अधिकारियों के पास है। ये अधिकारी वर्षों से पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्र में हैं और कुछ वरिष्ठों से संबंधित होने के कारण कोई भी अधिकारी इस मुद्दे पर खुलकर बोलने को तैयार नहीं है.अब अगर ये अधिकारी पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में अवैध होटल, पब, डांस बार जैसे अवैध लेनदेन का समर्थन करने की कोशिश करते हैं, तो कुछ पुलिस अधिकारी इन अधिकारियों की सूची आयुक्त डुंबारे को देने की सोच रहे हैं। कल्याण सर्कल के एक वरिष्ठ कलेक्टर को दूसरे क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया। लेकिन पुलिस के बीच चर्चा है कि सीनियर ने अथक प्रयास कर उस 'कलेक्टर' का ट्रांसफर पुलिस कंट्रोल रूम में करा दिया और यह सुनिश्चित कर लिया कि उसका काम बरकरार रहे.

# एमआईडीसी में उच्च जोखिम वाली खतरनाक उद्योगों को स्थानांतरित करने का निर्णय

**डोंबिवली :** डोंबिवली एमआईडीसी में उच्च जोखिम वाली कंपनियों को तुरंत बंद कर दिया जाएगा। प्रक्रिया में बदलाव के साथ कुछ को यहां कारोबार करने की अनुमति दी जाएगी। लेकिन जो लोग ऐसे बदलाव नहीं करेंगे, उनके लिए पलायन की प्रक्रिया शुरू कर दी जायेगी, ऐसी घोषणा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पिछले सप्ताह अमुदान कंपनी विस्फोट के बाद यहां की थी. चूंकि एमआईडीसी के अधिकारियों ने डोंबिवली में उद्यमियों से सहमति पत्र एकत्र करना शुरू कर दिया है कि वे कंपनी को स्थानांतरित करने के लिए तैयार हैं या नहीं, कंपनी संचालकों में बेचैनी पैदा हो गई है।

सरकार पहले ही डोंबिवली

में पिछले कई वर्षों से मौजूद पांच खतरनाक उद्योगों और 156 अत्यधिक खतरनाक रासायनिक कंपनियों को स्थानांतरित करने का निर्णय ले चुकी है। इन निर्णयों को सरकार द्वारा कभी लागू नहीं किया गया। अब एमआईडीसी डोंबिवली के विभिन्न हिस्सों के अधिकारियों को डोंबिवली बुला रही है और सभी कंपनियों को एक ही दिन में सहमति पत्र भरने के लिए मजबूर कर रही है। सहमति पत्र भरने से पहले एमआईडीसी अधिकारी डोंबिवली में उद्यमियों से सीधे बातचीत क्यों नहीं करते। सहमति पत्र में यह स्पष्ट उल्लेख नहीं है कि सहमति पत्र किसके द्वारा दिया जा रहा है। तब उद्यमियों ने पूछा कि क्या उद्यमियों को डराने के लिए इस तरह की बात की जा रही है। कुछ चर्च पिछले कुछ वर्षों से एमआईडीसी साइट पर आवासीय परिसर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ये ग्रुप प्रदूषण और अन्य कारणों का हवाला देकर कंपनियों को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं. उद्यमियों ने इस माध्यम से अपनी योजना को सफल बनाने का प्रयास करने की संभावना जतायी.

हम पिछले 60 वर्षों से डोंबिवली एमआईडीसी में कंपनियां चला रहे हैं। यहां हमारी व्यवस्था है. श्रमिकों और परिवहन की व्यवस्था अच्छी स्थिति में है. उद्यमियों ने चेतावनी दी है कि अगर ऐसे में कंपनी के पलायन की दर बढ़ी तो हम अपने उद्योग बंद कर देंगे. उद्यमियों ने कहा कि अगर इससे बेरोजगारी का नया संकट खड़ा होता है तो सरकार को इसका जवाब देना चाहिए.

# 47.1 डिग्री तापमान के साथ ब्रह्मपुरी महाराष्ट्र में सबसे गर्म रहा

**मुंबई :** भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने कहा कि सोमवार को चंद्रपुर जिले के ब्रह्मपुरी में तापमान 47.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो महाराष्ट्र में सबसे अधिक है। इसके अलावा विदर्भ क्षेत्र में कई स्थानों पर भीषण गर्मी का अनुभव हुआ, जहां अधिकतम

तापमान 40 डिग्री को पार कर गया। वहीं, नागपुर में अधिकतम तापमान 45.6 डिग्री, अमरावती 45.0, वर्धा 45.0, चंद्रपुर 44.8, भंडारा 44.5, गोंदिया 44.5, गढ़चिरौली 44.0, यवतमाल 42.5, अकोला 42.2 और वाशिम में अधिकतम तापमान 41.2 दर्ज किया गया। आईएमडी नागपुर के अनुसार मंगलवार को चंद्रपुर, अकोला और यवतमाल में और अकोला में बुधवार को लू चलने की संभावना है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com